14. उर्दू भाषा में प्रमाण पत्र (CERTIFICATE IN URDU LANGUAGE)

उद्देश्य : उर्दू किसी परिचय की मोहताज नहीं । बिहार में इसे द्वितीय राजभाषा का गौरव प्राप्त है । जनसंख्या एवं लोकप्रियता की दृष्टि से भी इसका क्षेत्र व्यापक है । उर्दू साहित्य में एक से बढ़ कर एक साहित्यकार एवं कवि हुए हैं । अमीर खुसरो, वली, मीर, गालिब, शाद, फिराक, एकबाल, आदि की रचनाओं के विषय में जानने के लिए उर्दू का ज्ञान आवश्यक है; परन्तु इसके लिये अध्ययन-अध्यापन संस्थानों की कमी है । बहुत से ऐसे छात्र-छात्रायें हैं, जो उर्दू भाषा के विधिवत् अध्ययन के लिए अवसर नहीं निकाल पाते हैं । ऐसे छात्रों के लिये यह पाठ्यक्रम उपयोगी होगा । भाषा साहित्य के साथ-साथ जीविका के कार्य क्षेत्र में भी इसकी उपयोगिता निर्विवाद है । अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं में उर्दू भी जानने वाले व्यक्तियों, अनुवादकों की आवश्यकता पड़ती है । इसके लिये यह पाठ्यक्रम कारगर सिद्ध हो सकता है । इन्हीं बिन्दुओं को ध्यान में रखकर नालन्दा खुला विश्वविद्यालय ने उर्दू में सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किया है ताकि विद्यार्थी घर बैठ इस भाषा के साहित्य एवं व्याकरण का पुष्ट ज्ञान प्राप्त कर सकें । **इस पाठ्यक्रम में नामांकन के लिये न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है ।**

पाठ्यक्रम संरचना : इस पाठ्यक्रम की अवधि छः माह है । कोर्स में तीन पत्र होंगे । प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा और प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि तीन घंटे की होगी । सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की परीक्षा होगी एवं 20 अंकों का सत्रीय कार्य जमा करना होगा । पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है :

Scheme of Examination - Students being admitted to this course must pass in each paper of the examination to pass the certificate course. To pass in each paper, a student must secure at least 33% of marks in each paper separately. To determine 33% of marks in each paper, the marks obtained by a student , both in term-end written examination and home assignment, shall be clubbed and counted together to determine the aforesaid percentage. However, if a candidate has secured Zero mark in the term-end written examination or home assignment examination in any paper, as the case may be, he/she will be deemed to have failed in that paper. Failure in one paper will mean failure in that part of the examination. Hence, students must strive hard to pass separately in each paper.

The term-end examination shall be held at the end of the academic session and, as said, it will be compulsory to pass in each paper of the examination before a student is declared to have passed his/her certificate course.

This course is divided into 3 papers; each carrying 100 marks. The distribution of marks between written examination assignment and practical work will be as follows:

Paper	Title of the paper	Distribution of Marks Between Theory and Assignment		Minimum Marks required to pass the examination (written exam. + Assignment
		Written exam	Assignment	
1	उर्दू कविता	80	20	33
2	उर्दू गद्य	80	20	33
3	उर्दू रचना	80	20	33
	Total	**240**	**60**	33 marks in each papers